IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

''बाढ़ को अभिशाप नही वरदान बनाएँ''

डॉ0 ब्रजमोहन कुमार चौपाल
विभाग – राजनीति विभाग
ल0ना0मिथिला विश्वविद्यालय,दरभंगा।

दरभंगाए लनामिवि के कुलसचिव डाण् विजय प्रसाद सिंह ने कहा है बाढ़ के जरिए क्षेत्रीय विकास का विषय प्रासंगिक एवं रोचक है। बाढ़ अभिशाप नहींए वरदान भी है। बिहार का मैदानी इलाका नदियों से भरा हुआ है। ये नदियां मूलतरू हिमालय से निकलती हैं और इलाके में वर्षा न नही होने पर भी इनमें बाढ़ आ जाती है। डाण् सिंह शुक्रवार को एमके कालेज में आयोजित बाढ एवं क्षेत्रीय विकास पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाढ़ अपने क्षेत्रों में नई मिट्टियों को देकर उत्पादन शक्ति को बढ़ा देता है। बाढ़ प्रकृति की देन है। इसके साथ छेड़छाड़ करना उचित नहीं है। बाढ़ क्षेत्रीय विकास को अवश्य प्रभावित करता है। इसके पूर्व प्रधानाचार्य प्रोण् डाण् सरदार अरविंद सिंह ने आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें पाग चादर व माला से सम्मानित किया। डाण् चंद किशोर शर्मा की अध्यक्षता एवं ध्रुव कुमार के संचालन में आयोजित समापन समारोह में भूगोल के प्राध्यापक डाण् टूनटून झाने दो दिनों के राष्ट्रीय सेमिनार की कार्यवाही का विवरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि तकनीकी सदस्यों द्वारा प्रस्तुत 28 प्रतिवेदनों में 21 प्रतिवेदनों को पढ़ा गया। समारोह को डाण् राम प्रतापए डाण् शारदानंद चौधरी आदि ने संबोधित किया।

प्रस्तावना

बाढ़ की स्थिति भारी बारिशए नदियों और महासागरों जैसे जल निकायों से पानी के अतिप्रवाहए ग्लेशियर पिघलनेए तूफान और तटीय किनारों के साथ तेज हवाओं के कारण बनती हैं। जब अत्यधिक मात्रा में जल निकलने के लिए अच्छी जल निकासी प्रणाली की कमी होती है तब यह पानी बाढ़ का कारण बनता है। फिर भी बाढ़ अभिशाप नहींए वरदान भी माना जाता गया है।

बाढ़ के परिणाम

बाढ़ का पानी प्रभावित क्षेत्र के सामान्य कामकाज को बाधित करता है। गंभीर बाढ़ के कारण बड़े पैमाने पर विनाश हो सकता है। यहां बताया गया है कि धरती पर बाढ़ कैसे प्रभावित करती हैरू

1ण जीवन को ख़तरा

बहुत से लोग और जानवर गंभीर बाढ़ के कारण अपने जीवन से हाथ धो बैठते हैं। इससे कई लोग घायल और विभिन्न रोगों से संक्रमित होते हैं। कई जगहों पर मच्छरों और अन्य कीड़ों के प्रजनन के लिए जमा होने वाला पानी मलेरिया और डेंगू जैसी विभिन्न बीमारियों का कारण है। हाल ही में पेचिशए न्यूमोनिक प्लेग और सैन्य बुखार के मामलों में वृद्धि हुई है।

2ण बिजली कटौती

आज कल बिजली और पानी की आपूर्ति में बाधा आई है जिससे आम जनता की समस्याओं में वृद्धि हो रही है। उन स्थानों पर करंट पकड़ने का जोखिम भी है जहां बिजली की आपूर्ति बरकरार है।

3ण आर्थिक नुकसान

बहुत से लोग अपने घरों और अन्य संपत्तियों जैसे कारए मोटरसाइकिल बाढ़ में खो देते हैं जिन्हें ख़रीदने में सालों लगते हैं। यह सरकार के लिए चिंताजनक विषय है क्योंकि संपत्ति बचाव अभियान के लिए कई पुलिसकर्मियोंए फायरमैनों और अन्य अधिकारियों को तैनात करना पड़ता है। गंभीर बाढ़ के मामलों में प्रभावित क्षेत्रों को फिर से तैयार करने में कई साल लगते हैं।

4ण कीमत का बढ़ना

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में माल की आपूर्ति कम हो जाती है क्योंकि सड़क परिवहन वहां तक नहीं पहुंच सकता है। इसके अलावा इन क्षेत्रों में संग्रहीत सामान भी बाढ़ के कारण खराब हो जाते हैं। आपूर्ति की कमी है और मांग अधिक है और इस प्रकार वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी होती है।

5ण मृदा अपरदन

जब मूसलधार बारिश होती है तो मिट्टी पूरे पानी को अवशोषित नहीं कर पाती और इससे अक्सर मिट्टी का क्षरण होता है जिसके भयानक परिणाम होते हैं। मिट्टी के क्षरण के अलावा मिट्टी की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है।

6ण पेड़.पौधें

बाढ़ सिर्फ मनुष्यों और जानवरों के लिए ही खतरा नहीं है बल्कि वनस्पति के लिए भी ख़तरा है। भारी बारिश अक्सर गड़गड़ाहटए बिजली और तेज हवाओं के साथ होती है। तूफान पेड़ों को उखाड़ फेंकने का एक कारण है। इसके अलावा बाढ़ के दौरान फसल क्षतिग्रस्त हो जाती है और कई अन्य पौधें भी नष्ट हो जाते हैं।

भारत में बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र

साल.दर.साल भारत में कई क्षेत्रों को बाढ़ की समस्या का सामना करना पड़ता है। देश में इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित प्रमुख क्षेत्रों में उत्तर बिहारए उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगालए मुंबईए महाराष्ट्रए पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सोंए तटीय आंध्र प्रदेश और उड़ीसाए ब्रह्मपुत्र घाटी और दक्षिण गुजरात सहित अधिकांश गंगा मैदान हैं। बाढ़ के कारण इन जगहों को अतीत में गंभीर नुकसान पहुंचा है और अभी भी ख़तरे का सामना कर रहे हैं।

ग्लोबल वार्मिंगरू बाढ़ का मुख्य कारण

हाल के दिनों में बाढ़ की आवृत्ति बढ़ी है। ऐसा कहा जाता है कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते औसत समुद्री तापमान में काफी बढ़ोतरी हुई है और इससे कैरिबियन में उष्णकटिबंधीय तूफान की बढ़ती दर और कठोरता में वृद्धि हुई है। ये तूफान उनके रास्ते में देशों में भारी बारिश का कारण है। ग्लोबल वार्मिंगए जो वायुमंडल के तापमान में वृद्धि पैदा कर रहा हैए ग्लेशियरों और बर्फ के पिघलने का भी एक कारण है जो फिर से कई क्षेत्रों में बाढ़ का कारण है। कहा जाता है कि आने वाले समय में ध्रुवीय बर्फ पर फिर से बुरा प्रभाव पड़ेगा जिससे स्थिति खराब होने की संभावना है।

पृथ्वी पर समग्र जलवायु परिस्थितियों में एक बड़ा परिवर्तन आया है और ग्लोबल वार्मिंग को इस परिवर्तन का कारण माना जाता है। जहाँ कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक बाढ़ का अनुभव होता है वहीँ अन्य लोग सूखे का अनुभव करते हैं।

निष्कर्ष

फिर भी बाढ़ अभिशाप नहींए वरदान भी माना जाता गया है। बाढ़ प्राकृतिक आपदाओं में से एक है जो विभिन्न क्षेत्रों में बड़े विनाश का कारण है। यह समय है कि भारत सरकार को इस समस्या को गंभीरता से लेना चाहिए और इस समस्या को नियंत्रित करने के लिए मजबूत उपायों का पालन करना चाहिए।